पंजीकरण सं. आर.एन. 40596/83 डाक पंजी. संख्या-जी-3-डी.एल. (एन.)/084/24-26 प्रकाशित 01.08.2025 इस अंक का मूल्य 2 रूपये

॥ ओ३म् ॥

युवा उद्घोष

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् (पंजीकृत) का पाक्षिक शंखनाद

Join—http://www.facebook.com/groups/aryayouth/

कार्यालय : आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली-*110007*, चलभाष : 9810117464, 9868051444

दानदाताओं से अपील

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के कार्य व गतिविधियों में सहयोग करने हेतु **खाता संख्या 10205148690 स्टेट बैंक आफ इण्डिया,** घन्टाघर, दिल्ली– 110007, **आई. एफ. एस. कोड** SBIN0001280 पर सीधे भेज कर हमें फोन न. **9810117464** पर एस.एम.एस कर दें या **9868051444** पर googlepay कर दें।

–अनिल आर्य

वर्ष-42 अंक-05 श्रावण-2082 दयानन्दाब्द 201 01 अगस्त से 15 अगस्त 2025 (प्रथम अंक) कुल पृष्ठ 4 वार्षिक शुल्क 48 रु.

प्रकाशित: 01.08.2025, E-mail : yuva.udghosh1982@gmail.com aryayouthgroup@yahoogroups.com Website : www.aryayuvakparishad.com

युवा संस्कार अभियान चलाएगा आर्य समाज

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद की विशाल आर्य कार्यकर्ता बैठक संम्पन्न

नई दिल्ली, रविवार, 27 जुलाई, 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद नई दिल्ली के श्रावणी पर्व पर युवा संस्कार अभियान व 48 वें स्थापना दिवस की तैयारी हेतू विशाल आर्य कार्यकर्त्ता बैठक आर्य समाज अशोक विहार फेज–1,एफ ब्लॉक ,दिल्ली मे राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य की अध्यक्षता में संम्पन्न हुई। परिषद के

(शेष पृष्ठ 3 पर)

मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बधाई व धर्मपाल आर्य का अभिनंदन

दिल्ली की मुख्यमंत्री रेखा गुप्ता को बधाई देते प्रवीन आर्य पिंकी, द्वितीय चित्र में परिषद के कोषाध्यक्ष धर्मपाल आर्य की सेवा निवृत्त होने पर अभिनंदन करते प्रवीन आर्य व अनिल आर्य, प्रि. रश्मिपाल बिस्वाल।

दिल्ली चलो

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के 48 वे स्थापना दिवस पर राष्ट्रीय संगोष्ठी

दिल्ली चलो

सानिध्यः डॉ. अशोक कुमार चौहान

150 वाँ आर्य समाज स्थापना वर्ष के उपलक्ष्य 'आर्य समाज कल आज और कल'

रविवार 14 सितंबर 2025, प्रातः 9 बजे से दोपहर 2.00 बजे तक

स्थानः आर्य समाज डिफेंस कॉलोनी, नई दिल्ली

कृपया अपनी डायरी में नोट कर ले और साथियों सहित पहुंचे।

अनिल आर्य, अध्यक्ष **आनंद चौहान** संरक्षक **अजय चौहान** स्वागत अध्यक्ष **महेन्द्र भाई** राष्ट्रीय महासचिव **धर्मपाल आर्य** कोषाध्यक्ष

आर्यसमाज का सदस्य, मंत्री और प्रधान बनने का अधिकारी कौन?

— लेखकः डा. महावीर मीमांसक

(परोपकारी (पाक्षिक) आर्यसमाज का प्रतिष्ठित पत्रिका है। इस पत्रिका में धारावाही रूप से आर्यसमाज के शीर्ष विद्वान डा. महावीर मीमांसक जी का लेख 'आर्यो का सार्वभौम चक्रवर्ती साम्राज्य' प्रकाशित हो रहा है। इस पत्रिका के जून द्वितीय पक्ष 2025 अंक में प्रकाशित लेख की छठी किश्त से कुछ सामग्री लेकर हम प्रकाशित कर रहे हैं। हम निवेदन करते हैं कि पाठक परोपकारी पत्रिका को प्राप्त कर लेखक के लेख की सभी किश्तों को पढ़े। हम आशा करते हैं कि पाठक लेखक की इन पंक्तियों को पढ़कर लाभान्वित होंगे। —मनमोहन कुमार आर्य)

अब अन्त में यह प्रश्न निकला कि अब (हम आर्यसमाज के लोग) क्या करें? आर्यों का सार्वभौम साम्राज्य लाने के लिये ऋषि दयानन्द के उत्तराधिकारी आर्यबन्धुओं को बहुत कुछ करना पड़ेगा। ''कृण्वन्तो विश्वम् आर्यम् अपघ्नतोऽरावणः'' वैदिक मन्त्र को अपना मिशन बनाना पड़ेगा। महात्मा गांधी जी की तुष्टिकण की नीति से टक्कर लेकर शुद्धिकरण की नीति को मिशन बनाकर अपने जीवन का बलिदान, शहादत देने वाले स्वामी श्रद्धानन्द जी के बलिदान को आदर्श बनाना होगा। ऊंची—ऊंची अट्टालिकाओं, शानदार भवनों, आरामतलबी की सभी सुविधाओं, एयरकण्डीशन की ठण्डी हवा में बैठकर आराम परस्ती से जीवन बिताने की सुविधापूर्ण आदतों को तिलांजलि देकर मैंदान में आना होगा, शहरी जीवन के स्थान पर देश के गांव—गावं में जाना होगा, गांवों में खेतों में काम करने वाले पूरे के पूरे परिवारों के साथ लगना होगा, हल और ट्रैक्टर पर बैठ कर जमीन के पेट को फाड़कर देश के लोगों के पेट भरने के लिये अन्न को उपजाने वाले किसान के साथ लगना होगा, किसान के साथ हाथ में फावडा लेकर खेती की भूमि को समतल करके बीज खरपतवार को खोदकर फसल को साफ करने में तल्लीन श्रमिक के साथ लगकर वेद के ''कृषिमित् कृषस्व'' और अक्षैर्मा दीव्य'' मन्त्रों का क्रियात्मक अर्थ और भाष्य समझाने का बीड़ा उठाना होगा। तभी आर्यसमाज का सदस्य, प्रधान और मन्त्री बनने का अधिकारी बनेगा। तभी वैदिक धर्म की जय, ऋषि दयानन्द की जय और आर्यसमाज अमर रहे के नारों से वातावरण स्वतः गुंजयमान हो जायेगा। तभी आर्यसमाजों और आर्यसभाओं में पदलिप्सा और प्रतिष्ठा प्राप्त करने की वासना समाप्त होगी, कोर्ट और कचहरी के चक्कर लगाने में समय नष्टकर न कर के दयानन्द के मिशन को पूरा करने के लिये आर्यसमाज आगे बढ़ेगा। इसका यह अभिप्राय नहीं है कि वर्तमान में आर्यसमाज और आर्य प्रतिनिधि आदि सभाओं में जो कुछ हो रहा है वह बेकार है। नहीं, वह सब कुछ बहुत सराहनीय है। वह तो होते ही रहना चाहिये। किन्तु इससे भी बहुत कुछ अधिक करने की महती आवश्यकता है। क्या और कैसे करने की आवश्यकता, वह हम आगे लिखेंगे, किन्तु अब जो पीड़ा हो रही है वह यह देखकर हो रही है कि जो बहादुरशाह—जफर मुगल वंश का अन्तिम बादशाह भारत का था, सन् 1857 के विप्लव के विफल हो जाने के बाद अंग्रेजों ने जिसे रंगून की जेल में भेजकर फांसी दे दी थी, आज कोई प्रिंस कायूब संयुक्त राष्ट्र संघ में जाकर अपील याचिका डालता है कि भारत में स्थित वक्फ की समस्त सम्पत्ति का मैं एक मात्र मालिक हूं, अतः वक्फ की पूरे भारत की सम्पत्ति मुझे दे दी जाये। इतना ही नहीं अपितु वह खुल्लम खुल्ला धमकी भी देता है कि यदि ऐसा नहीं हुआ तो तैमूर की तरह पूरे भारत (हिन्दुओं) का कत्लेआम (जनसंहार) कर दूंगा। ऐसे लोग रोजा और अफतार जैसी अपनी धार्मिक पार्टियों में भी ऐसी ही हिंसा की बात करते हैं। यह सब अत्यन्त गम्भीर चिन्ता का विषय है। इतना ही नहीं, देश के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय गम्भीर चिन्ता का विषय हैं। इतना ही नहीं, देश के सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय तक को चौलेंज देकर पूरे देश के वातावरण को दूषित करते हैं। प्रश्न है कि ऐसे लोगों का क्या इलाज? कैसे इनको सुधारा जाये? कैसे इनको समझाया जाये? जो लोग शरीयत को संविधान से ऊपर रखने और मारने काटने की बात करते हैं ऐसे जाहिल और शैतान लोगों का इलाज उत्तर प्रदेश के मुख्यमन्त्री श्री आदित्यनाथ जी योगी के पास एकदम सुलभ है। लिखने की आवश्यकता नहीं है। (परोपकारी पत्रिका में यह लेख इसके बाद भी जारी है। इस किश्त के बाद भी इसकी कुछ और किश्तों के सामने आने की आशा है।)

(परोपकारी पाक्षिक के माह जून—द्वितीय, 2025 अंक से साभार) — 196 चुक्खूवाला—2, देहरादून—248001

युवा संस्कार अभियान के लिए हवन कीट वितरित की गई चित्र में दुर्गेश त्यागी व वरुण आर्य, द्वितीय चित्र में आर्य समाज शकरपुर दिल्ली के प्रधान पतराम त्यागी के जन्मोत्सव पर यज्ञ करवाते आचार्य महेन्द्र भाई जी युवा उद्घोष की और से हार्दिक बधाई।

हवन किट लेते अरुण आर्य,रामकुमार आर्य द्वितीय चित्र में विक्रांत चौधरी, देवेन्द्र भगत व जीवन लाल आर्य।

कर्मठ कार्यकर्ता कृष्णा पाहुजा का अभिनंदन, द्वितीय चित्र में शिक्षक गौरम सिंह हवन किट लेते हुए।

॥ ओ३म् ॥ स्थापित 3 जून 1978

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद का श्रावणी पर युवा संस्कार अभियान

(यानी 12 से 25 वर्ष तक के युवाओं को आर्य समाज से जोड़ने के लिए यज्ञ भजन प्रवचन के साथ–साथ यज्ञोपवीत संस्कार करवायें)

विस्तृत कार्यक्रम

1. **रविवार 3 अगस्त 2025,** प्रातः 9 बजे स्थानः वृन्दावन ग्रीन, साहिबाबाद, संयोजक– सुरेश आर्य, देवेंद्र आर्य बंधु, के.के. यादव
2. **शुक्रवार 8 अगस्त 2025,** प्रात 10 बजे स्थान – जे पी एस पब्लिक स्कूल, मकनपुर, इन्दिरा पुरम गाजियाबाद। विनोद त्यागी 9818376082, शुभम त्यागी (प्रबंधक) 8076266624.
3. **शुक्रवार 8 अगस्त 2025** प्रातः 8:30 बजे से 10 बजे तक स्थानः आदर्श पब्लिक स्कूल, मकनपुर, इन्दिरा पुरम, गाजियाबाद। प्रबंधक – श्री सुबोध कुमार
4. **शुक्रवार 8 अगस्त 2025,** सुबह 11 बजे, स्थानः ग्राम जोन्ती, TPDDL, वोकेशनल सेंटर, दिल्ली देहात, संयोजक– दशरथ भारद्वाज
5. **शुक्रवार 8 अगस्त 2025,** प्रातः 9 बजे, मूर्ति देवी आर्य स्कूल K–160, जहांगीर पुरी दिल्ली, संयोजकः गजेंद्र आर्य
6. **शुक्रवार 8 अगस्त, 2025,** सायं 5:00–6:30 बजे तक आर्यन क्लासिस, 500/7, गली नंबर 5, विश्वास नगर, दिल्ली 32 संयोजकः महेश भार्गव 9711086251
7. **शनिवार 9 अगस्त 2025,** सुबह 9 बजे, ग्राम बेहरावद अलीगढ़, संयोजकः भुवनेश आर्य, सुनील आर्य, डॉ. संजय
8. **शनिवार 9 अगस्त 2025**, प्रातः 7.00 बजे, छतरी वाला पार्क, नवीन शाहदरा, दिल्ली 110032 संयोजकः महेश शर्मा, अजय चौधरी
9. **रविवार 10 रविवार 2025**, प्रातः 8 बजे आर्य समाज महावीर नगर तिलक नगर, दिल्ली, संयोजकः दिनेश आर्य, मायाराम शास्त्री
10. **रविवार 10 अगस्त 2025** , प्रातः 9 बजे, समर्पण शोध संस्थान, सेक्टर 5 , राजेन्द्र नगर, साहिबाबाद संयोजकः सुरेश आर्य, कृष्ण कुमार यादव
11. **रविवार 10 अगस्त 2025**, प्रात 11 बजे, आर्य समाज बांकनेर, दिल्ली देहात, संयोजक– अरुण आर्य
12. **रविवार 10 अगस्त 2025**, प्रातः 9 बजे महर्षि दयानन्द आर्य समाज नांगलोई निकट पानी की टंकी, दिल्ली संयोजकः भोपाल सिंह आर्य
13. **रविवार 10 अगस्त 2025,** प्रातः 8 बजे आर्य समाज संदेश विहार पीतमपुरा दिल्ली, संयोजकः दुर्गेश आर्य, डॉ. विशाल आर्य, वरुण आर्य
14. **रविवार 10 अगस्त** शाम 3 से 5 बजे तक। 221, ज्ञान खण्ड 1 इन्दिरा पुरम गाजियाबाद। आयोजकः ममता चौहान 9990576680
15. **रविवार 10 अगस्त, 2025,** प्रातः 9:00 बजे आर्य समाज, नगरोटा बगवां, जिला कांगड़ा, (हिमाचल प्रदेश) संयोजकः श्री राकेश कायस्थ एवं श्री कमल आर्य
16 **रविवार 10 अगस्त, 2025** प्रातः 8:30 बजे आर्य समाज, गांव–बहराबद डाकखाना, अतरौली जिला अलीगढ़, (उत्तर प्रदेश) संयोजकः श्री भुवनेश कुमार, सुशील कुमार, श्री राजकुमार सिंह
17. **रविवार 10 अगस्त, 2025,** प्रातः 9:00 बजे, चंदन वाटिका, नदौना जिला–हाथरस (उत्तर प्रदेश) संयोजकः श्री जितेंद्र कुमार आर्य, श्री केदारनाथ आर्य व्यवस्थापकः डॉक्टर ताराचंद आर्य
18. **रविवार 10 अगस्त 2025** समय सायं 3 बजे से 5 तक स्थान आर्य समाज मंदिर स्वामी श्रद्धानंद पार्क भलस्वा डेरी दिल्ली 42 महिला अध्यक्षा–रेखा दुबे संयोजकः श्री नरेन्द्र गांधी (प्रधान स्नातक मण्डल गुरुकुल करतार पुर पंजाब) धर्माचार्यः नन्दलाल शास्त्री फोन –9716207488
19. **सोमवार 11 अगस्त 2025, प्रातः 9 बजे** स्थानः श्रद्धा मन्दिर स्कूल महर्षि दयानन्द रोड, सैक्टर–87, ग्रेटर फरीदाबाद, संयोजकः डॉ. गजराज सिंह आर्य
20. **सोमवार 11 अगस्त 2025,** प्रातः 10 बजे बी एम दयानन्द माडल स्कूल आर्य समाज माडलटाउन सोनीपत, संयोजकः गीता सहगल, मो. 8950551610, अर्जुन देव दुरेजा
21. **मंगलवार 12 अगस्त 2025,** प्रातः 8 बजे, आर्य समाज कबीर बस्ती, दिल्ली, संयोजकः देवेन्द्र भगत, रामचंद्र सिंह, सुनील खुराना
22. **बुधवार 13 अगस्त 2025**, प्रातः 10 बजे, विजय हाई स्कूल, सिक्का कॉलोनी, सोनीपत, संयोजकः जितेंद्र चावला
23. **वीरवार 14 अगस्त 2025**, सुबह 11.00 बजे, पी 4 ब्लॉक, TPDDL वोकेशनल सेंटर सुल्तान पुरी, दिल्ली, संयोजकः राधा भारद्वाज
24. **वीरवार 14 अगस्त 2025**, प्रातः 10 बजे ओमाश्रय सेवाधाम शिव विहार, मुहाना जयपुर संयोजकः यशपाल यश, डॉ. प्रमोद पाल
25. **शुक्रवार 15 अगस्त 2025,** प्रातः 9 बजे, आर्य समाज गुड़ मंडी, दिल्ली, संयोजकः वीरेन्द्र आहूजा, विमला आहुजा
26. **शुक्रवार 15 अगस्त 2025,** दोपहर 3.00 बजे, आर्य समाज सूर्य निकेतन, पूर्वी दिल्ली, संयोजक– यशोवीर आर्य
27. **शुक्रवार 15 अगस्त 2025,** प्रातः 9.00 बजे, आर्य समाज जानीपुर जम्मू संयोजकः सुभा ा बब्बर, कपिल बब्बर
28. **ुक्रवार 15 अगस्त**, 2025, प्रातः 8:30 बजे चाहडी –मोहलकड़, (पंचायत घर) तहसील–नगरोटा बगवां, जिला–कांगड़ा (हिमाचल प्रदेश) संयोजक–श्रीमती श्यामा आर्या एवं श्री कमल आर्य व्यवस्थापकः श्रीमती वीणा धीमान, कश्मीर धीमान एवं पंचायत प्रधान श्री कुलदीप चंद
29. **शनिवार 16 अगस्त 2025**, सुबह 9 बजे आर्य समाज देव नगर, करोल बाग, दिल्ली, संयोजकः सुशील बाली, रोहित सिंह
30. **शनिवार 16 अगस्त 2025**, प्रातः 10 बजे आर्य समाज शांति नगर, सोनीपत संयोजकः हरिचंद स्नेही (9416693290)
31. **रविवार 17 अगस्त 2025**, प्रातः 9 बजे आर्य समाज पटेल नगर, दिल्ली, संयोजकः रोहित कुमार, गौरव सिंह, विजय खुराना
32. **रविवार 17 अगस्त**, 2025 प्रातः 9:00 बजे आर्य समाज, पालमपुर, जिला कांगड़ा, (हिमाचल प्रदेश) संयोजकः श्री राहुल शास्त्री व्यवस्थापकः श्री राकेश बाली एवं श्री वीरेंद्र नागपाल
33. **रविवार 17 अगस्त 2025**, प्रात 9 बजे N–22, आर्य समाज मुखर्जी नगर दिल्ली संयोजकः ओम सपरा मो.–9818180932
34. **रविवार 17 अगस्त 2025,** प्रातः 10 बजे, स्थान– सत्य कुटीर, बी– 84/1, उत्तरी छज्जुपुरा, दिल्ली, संयोजकः–वेद प्रकाश आर्य (9810487559)
35. **रविवार 17 अगस्त 2025,** प्रातः 10 बजे, स्थान–टीनू पब्लिक स्कूल संगम विहार दक्षिणी दिल्ली, संयोजकः देवदत्त आर्य रामफल खरब
36. **रविवार 17 अगस्त 2025,** शाम 4.00 बजे, स्थान–शंभु दयाल दयानन्द सन्यास आश्रम गाजियाबाद, संयोजकः प्रवीण आर्य (9911404423) सौरभ गुप्ता

अपने निकट के कार्यक्रम में सम्मिलित हों

(पृष्ठ 1 का शेष)

राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री अनिल आर्य ने कहा कि आर्य युवक परिषद युवाओं के चरित्र निर्माण के लिये युवा संस्कार अभियान दिनांक 3 अगस्त से 17 अगस्त 2025 तक चलायेगी। इसमें 12 से 25 वर्ष तक के लगभग 15,000 युवाओं को यज्ञोपवीत धारण करवाया जायेगा। यज्ञ भजन व वैदिक विद्ववानों के प्रवचन होंगे। जिससे नयी पीढ़ी भारतीय संस्कृति से परिचित हो सकें। आज युवा पीढ़ी पाश्चात्य संस्कृति की और अग्रसर हो रही है उन्हें अपनी गौरव शाली संस्कृति से परिचय करवाया जाए जिससे वह अपनी संस्कृति पर गर्व कर सके। मंच संचालन महामंत्री श्री महेन्द्र भाई ने किया, उन्होंने कहा कि यज्ञ समर्पण का दूसरा नाम है यज्ञ स्वयं जल कर प्रकाश करने का नाम है यह त्याग बलिदान की प्रेरणा देता है। सर्वश्री प्रवीण आर्य गाजियाबाद, प्रतिभा सपड़ा, कृष्णा पाहुजा, कमल आर्य के भजन हुए। परिषद का 48वाँ राष्ट्रीय आर्य युवा सम्मेलन डा अशोक कुमार चौहान के सानिध्य में रविवार 14 सितंबर 2025 को आर्य समाज डिफेन्स कॉलोनी नई दिल्ली में मनाया जाएगा जिसमें देश के विभिन्न प्रान्तों से सैकड़ों आर्य युवा प्रतिनिधि भाग लेंगे। इस अवसर पर सर्वश्री आचार्य अभयदेव शास्त्री चन्द्र देव शास्त्री दुर्गेश आर्य, धर्मपाल आर्य, आचार्य गवेंद्र शास्त्री, विक्रांत चौधरी, हरेंद्र शास्त्री, अरुण आर्य,सुनीता गुप्ता,कमल आर्य एवं हरभजन सिंह ने भी अपने विचार रखें। मुख्य रूप से डॉ.प्रमोद सक्सेना सूर्यदेव आर्य, त्रिलोक शास्त्री, आचार्य सतीश शास्त्री देवदत आर्य सुधीर बंसल वेद प्रकाश आर्य भोपाल सिंह आर्य,योगेन्द्र शास्त्री जी जिन्द ,,गौरव सिंह आर्य,शास्त्री, देवेन्द्र भगत जीवन लाल आर्य .अवधेश, जुगल किशोर, मायाराम शास्त्री, देव प्रकाश आर्य,ओम सपडा आदि उपस्थित रहे।

केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् द्वारा 2020 से 732वां वेबिनार सम्पन्न

जन्मदिन कैसे मनायें विषय पर गोष्ठी सम्पन्न

दुर्गुण त्यागने का संकल्प लें –आचार्या श्रुति सेतिया

सोमवार 21जुलाई 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के तत्वावधान में 'जन्मदिन कैसे मनायें' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह कोरोना काल से 731 वाँ वेबिनार था। वैदिक विदुषी श्रुति सेतिया ने कहा कि हमें अपने जन्मदिवस पर दुर्गुण त्यागने और सद्गुण धारण करने का संकल्प लेना चाहिए। उन्होंने कहा कि अपने पूर्व जीवन के सुकर्मों व दुष्कर्मों पर दृष्टि डालकर दुर्गुणों को त्यागने व सत्कर्मों को अपनाने के लिए प्रभु से प्रार्थना करना ही जन्मदिवस मनाने का उद्देश्य है। हम अपने जन्मदिन को वैदिक रीति से मनाएं। हाल के दिनों में रात में 12 बजे में केक आदि काटने का प्रचलन बढ़ा है। यह हमारी संस्कृति में नहीं था। प्राचीन वैदिक परम्परा में जन्मदिन के दिन नित्य कर्म के बाद देवपूजन, गृह पूजन करके दान की परंपरा है। बड़ों का आशीर्वाद लिया जाता है। वर्तमान समय में पूरा विश्व समुदाय हमारे वैदिक विज्ञान की श्रेष्ठता स्वीकारने लगा है। वहीं हम सब उनकी जीवन शैली को अपनाकर गर्व महसूस करते हैं। जन्मदिन पर केक काटना, मोमबत्तियां जलाकर बुझाना, जन्मदिन के जश्न में शराब, मांस का भक्षण करना इत्यादि कार्यक्रम हमारी भारतीय संस्कृति के अनुरूप नहीं हैं। भारतीय संस्कृति में दीप प्रज्वलित करके शुभ कार्य का प्रारंभ किया जाता है। बच्चे हमारे कुलदीपक हैं, उनके यश कीर्ति तथा उज्वल भविष्य की कामना दीपक जलाकर करनी चाहिए। मोमबत्तियां बुझकर नहीं। जन्मदिन मनाना ही है तो किसी बुरी आदत के त्यागने के संकल्प के साथ विद्या, धन आदि का दान देकर, वृक्षारोपण आदि करके दिन दुखियों की सेवा करके मनाया जा सकता है। अतः प्रत्येक जन्मदिवस यज्ञीय वातावरण में परमात्मा के सानिध्य में पुण्य कृत करते हुए मनाना चाहिए। जन्मदिन अर्थात जीव की आध्यात्मिक दृष्टि से उन्नति। मुख्य अतिथि विमला आहूजा व अध्यक्ष राजश्री यादव ने भी जन्मदिन सादगी पूर्ण कुछ उदेश्य के साथ मनाने का आह्वान किया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रदेश अध्यक्ष प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा, कमला हंस, संतोष धर, सरला बजाज, उषा सूद, कुसुम भण्डारी आदि ने मधुर भजन सुनाए।

अहिंसा धर्म कब– अधर्म कब गोष्ठी सम्पन्न

अधर्म के नाश के लिए हिंसा आवश्यक है –अतुल सहगल

सोमवार, 28 जुलाई 2025, केन्द्रीय आर्य युवक परिषद के तत्वावधान में 'अहिंसा–धर्म कब–अधर्म कब' विषय पर ऑनलाइन गोष्ठी का आयोजन किया गया। यह करोना काल से 732 वाँ वेबिनार था। वैदिक प्रवक्ता अतुल सहगल ने कहा कि आज हिंसा प्रवृत्ति और उससे उपजी समस्याएं कम होती नहीं दीखती हैं, अपितु बढ़ ही रही हैं। अहिंसा का पाठ हमारे ऋषियों, विद्वानों ने सदा पढ़ाया। परन्तु उनका पूरा पाठ हमने याद नहीं रखा। हम आधे पाठ को लेकर चर्चा और प्रचार करते रहे। बाकी के आधे पाठ को हम वस्तुतः भूल से गए। अहिंसा कहाँ धर्म है और कहाँ अधर्म? उन्होंने अपना वक्तव्य अहिंसा के उसी जाने माने श्लोक– अहिंसा परमो धर्मः को लेकर प्रारम्भ किया स धर्म की रक्षा करने के लिए हिंसा परम धर्म से भी श्रेष्ठ है। इसी बात को आगे ले जाते हुए अनेक उदाहरण दिए और उन सब परिस्थितियों को गिनाया जब अहिंसा धर्म है और उन परिस्थितियों को भी बताया जब अहिंसा अधर्म है। सामान्य परिस्थितियों में अहिंसा सही है परन्तु विधाम परिस्थितियों में, जब अधर्म और पाप बढ़ रहे हों और आधार्मिक शक्तियां बलवान हो रही हों, तो अहिंसा छोड़ कर हिंसा से काम लेना पड़ता है। स्थापित करने के लिए रामायण और महाभारत जैसे महाकाव्य भी हमें यही शिक्षा देते हैं। वक्ता ने दैनिक जीवन के छोटे–बड़े अनेक सन्दर्भ लेते हुए उन सब के परिपेक्ष्य में हिंसा की चर्चा की जहाँ हिंसा पापकर्म है। वहां हिंसा शांति भंग करती है व मानव प्रगति में अवरोधक है। मन, वचन व कर्म से लोग प्रायः हिंसा करते हैं। घर, परिवार या समाज के लोगों में सामान्यतः रहते हुए शत्रुता का, ईर्ष्या का या द्वेष का विचार भी हिंसा है। चोरी, डकैती, बलात्कार, गाली देना व अन्य प्रकार के दुर्व्यवहार हिंसा की ही श्रेणी में आते हैं जो अधर्म है। परन्तु बालक को सुधारने के लिए ताड़ना सही है। पुलिस द्वारा अपराधियों पर प्रहार करना हिंसा है और सही है, धार्मिक कृत्य है। राष्ट्र शत्रु से युद्ध करना धार्मिक हिंसा है। यह क्षत्रिय का परम धर्म है और श्रेयस्कर है। इसी प्रकार अनेक उदाहरण प्रस्तुत करते हुए वक्ता ने अपने विषय को विस्तार से सामने रखा। वक्ता ने अहिंसा के दर्शन शास्त्र से जुड़ाव की बात कही लेकिन धार्मिक हिंसा उतनी ही या उसे अधिक महत्वपूर्ण बन जाती है, जब समाज में विषम परिस्थियां हों स अन्याय करना एक हिंसक कृत्य है, जो अधर्म या पाप है। वक्ता ने उपसँहार के रूप में वर्तमान की घटनाओं की चर्चा की और कहा कि आज हमें अपने विवेक को प्रबल करने की और उसे अनुसार कार्य करने की आवश्यकता है। आज की विषम परिस्थितियों में ज्ञान, अर्धज्ञान, अर्धसत्य, दूषित ज्ञान, मिथ्या आदि को पहचानना परम आवश्यक है। पूर्ण सत्य का पालन करना ही धर्मचारण है। तभी समाज में पूर्ण, स्थायी शांति, सद्भावना व प्रगति संभव है। अध्यक्षता करते आर्य नेता ओम सपरा ने अधर्म के विनाश के लिए हिंसा को आवश्यक बताया। परिषद अध्यक्ष अनिल आर्य ने कुशल संचालन किया व प्रवीण आर्य ने धन्यवाद ज्ञापन किया। गायिका कौशल्या अरोड़ा, जनक अरोड़ा,कमला हंस, प्रवीना ठक्कर ,रविन्द्र गुप्ता, कुसुम भण्डारी , अनुराधा आनंद, सुधीर बंसल आदि ने मधुर भजन सुनाए।

जहां होता है भरपूर काम और प्रभु का गुणगान आर्य युवक परिषद् है उसका नाम

सम्पादक: **अनिल कुमार आर्य** द्वारा केन्द्रीय आर्य युवक परिषद् के लिए **मंयक प्रिंटर्स**, 2199/63, नाईवाला, करोलबाग, दिल्ली-5 दूरभाष : 41548503 **मो.** : 9810580474 से मुद्रित व परिषद् कार्यालय आर्य समाज टी-176-177, कबीर बस्ती, दिल्ली-7 से प्रकाशित, **प्रबन्धक** : दिनेश आर्य, मोबाइल : 9911587765, देवेन्द्र भगत, मोबाइल : 09958889970